अनुक्रमणिका

संपादकीय	**5**
1. किन्नर विमर्श से तात्पर्य -डॉ. दिलीप मेहरा	9
2. किन्नर उत्पत्ति बतौर दो शब्द -*डॉ. रामकुमार घोटड*	33
3. किन्नर समाज और साहित्य -डॉ. *खन्नाप्रसाद अमीन*	37
4. 'यमदीप' उपन्यास में समाज से उपेक्षित किन्नर जीवन के संघर्ष की व्यथा-*डॉ. वंदना चुटैल*	47
5. प्रदीप सौरभ कृत 'तीसरी ताली' में किन्नर विमर्श -*डॉ. हर्षद कुमार चौहान*	59
6. सफलता का अर्थ दर्द के इतिहास से मुक्ति नहीं है -*डॉ. पुनीता जैन*	65
7. तीसरी सत्ता की मार्मिक दास्तान 'पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा'-*डॉ. यशपाल सिंह राठौड*	88
8. 'मैं पायल' उपन्यास किन्नर जीवन की एक संघर्ष गाथा -*डॉ. एन.टी. गामीत*	100
9. दिल को झकझौरती तीसरी ताली -*प्रियंका कुमारी गर्ग*	112
10. हिन्दी कथा साहित्य में किन्नर विमर्श -*डॉ. ओमप्रकाश सैनी*	122
11. इतिहास में दर्ज किन्नर : काल्पनिकता और वास्तविकता -*डॉ. गौतम कुवर*	136
12. हिन्दी उपन्यासों में किन्नर विमर्श का प्रतिबिम्ब -*डॉ. शैलेष पाण्डेय*	142

13. किन्नर अस्मिता की संघर्ष गाथा : मेरे हिस्से की धूप 161
-डॉ. दिलीप मेहरा
14. आधुनिक हिन्दी उपन्यासों में किन्नर विमर्श 173
-डॉ. अमनदीप कौर
15. किन्नर समाज एवं आम लोगों में बदलता दृष्टिकोण 190
-जीतू कुमार गुप्ता
16. किन्नर विमर्श तथा दापा कहानी 196
-नीलम वाधवानी